

३१-८-२५ मात पत्रावली पेसा दुकी
 वादी व वादी के ककील
 अध्याख्येण पत्रावली के अखण
 निकलई गइल हे किंग कौंसी
 अख गही काये व ठके उठित
 होय हेई वादी वाद वकात
 ही गही कहे हे पत्रावली
 में वादी नं २३.१.१९ के
 वाद प्रोवादीक की तखी
 हेतु वलकात गइ पेसा गही
 निजा अवाप वादी के गल्ल
 पेसा कहे हेतु वा-वा-अखर
 सिधे गये हे अतः वादीका
 वाद अदत शपरी अदत
 पालना के आदेश ९ बिध हुका
 दी ० में कनाजि किल जाय ही
 पत्रा-पत्रक हुका-हेतु अख
 के अक ही वाद कहे गइल
 अदत हो क



उपखण्ड अधिकारी
 नीमराना (अलवर) राज